कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या.... 486930

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ✗

विषय सामाजिक विज्ञान

परीक्षा का दिन शनिवार

दिनांक 18/03/17

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर / अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका / ग्राफ / मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1	कांग्रेस के 1929 के "लाहौर अधिवेशन" में "पूर्ण स्वराज" की माँग की गई थी।
	2	"लोकतांत्रिक शासन प्रणाली" में 'सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य' स्थापित किया जाता है।
	3	दो या अधिक देशों के विकास की तुलना की उपयुक्त माप "प्रतिव्यक्ति आय" है।
	4	विनिमय का माध्यम 'मुद्रा' होती है। मुद्रा वस्तु के विनिमय में मध्यस्तता का कार्य करती है।
	5	निवेश → परिसंपत्तियों (भूमि, मकान आदि) को खरीदने में व्यय की गई राशि निवेश कहलाती है।
	6	उपभोक्ता शोषण के दो प्रमुख रूप निम्नलिखित हैं → (i) पूर्व में वर्णित नहीं किए गए अतिरिक्त मूल्य की माँग। (ii) दोषपूर्ण या मिलावटी वस्तुओं का विक्रय।
	7	जलियाँवाला बाग हत्याकांड → 13 अप्रैल 1919 को पंजाब प्रांत के अमृतसर में लोग बैशाखी के अवसर पर सरकार द्वारा पारित रॉलट एक्ट के विरोध के लिए एकत्रित हुए थे। उस समय जनरल डायर ने हथियारों से लैस सैनिकों के साथ अनेक लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इसे जलियाँवाला बाग हत्याकांड नाम दिया गया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

8 दुर्लभ जातियाँ -> वे जातियाँ जिनकी संख्या जीवित रहने अर्थात् सामान्य संख्या से काफी कम है, दुर्लभ जातियाँ कहलाती है। यदि इन पर विपरीत प्रभाव डालने वाली परिस्थितियों को नियंत्रित नहीं किया गया तो ये संकटग्रस्त जातियों में सम्मिलित हो जाएगी। उदा० -> एशियाई हाथी।

9 भारत में जैव विविधता को कम करने में चार कारण प्रमुख हैं ->

(i) वन्यजीवों का शिकार।

(ii) आवास व भोजन की कमी।

(iii) दावानल [जंगलों में लगी आग]।

(iv) पर्यावरण प्रदूषण व विषाक्तिकरण।

10 बाँध अर्थात् बहु-उद्देशीय नदी परियोजनाओं के कई लाभ तो है; परंतु कुछ हानियाँ भी हैं ->

(i) जैव विविधता का नष्ट होना।

(ii) मृदा के उपजाऊपन में कमी। प्राकृतिक तलछट का जमना।

(iii) भूकम्प की संभावना में वृद्धि।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) जल-जनित बीमारियों का प्रसार तथा जलीय जीवों की संख्या व जनन में कमी।

11 वैश्वीकरण ने कृषि को बहुत अधिक प्रभावित किया।

(i) मसालों व अन्य उत्पादों का परिवहन → वैश्वीकरण के पश्चात मसालों, चाय, कॉफी आदि का आयात-निर्यात प्रारंभ हो गया।

(ii) वाणिज्यिक कृषि को प्रोत्साहन → वैश्वीकरण के कारण लोग अधिक सिंचाई वाली वाणिज्यिक फसलों यथा- चावल की ओर आकर्षित हुए।

12 ताँबा खनिज हमारे दैनंदिन जीवन में अहम भूमिका निर्वहन करता है →

(i) विद्युत उपकरणों के तार → ताँबे का प्रयोग विभिन्न रासायनिक व विद्युत उद्योगों में तार बनाने के लिए होता है।

(ii) बर्तन व फ्यूज के निर्माण में → ताँबे के बर्तन, खिलौने, फ्यूज व अन्य उपयोगी पदार्थों का निर्माण होता है।

13 औद्योगीकरण के कारण वर्तमान में ध्वनि प्रदूषण की समस्या हो रही है। इसके प्रमुख कारण है →

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i) वाहनों के हॉर्न → शहरों में वाहनों में प्रयोग किए जाने वाले हॉर्न ध्वनि प्रदूषण करते हैं।

(ii) मशीनों की ध्वनि → उद्योगों में उपयोगी मशीनें अत्यंत ध्वनि उत्पन्न करती है।

(iii) लाउडस्पीकर → लोगों द्वारा विभिन्न आयोजनों में लाउड-स्पीकर का प्रयोग किया जाता है।

(iv) वाहनों में साइलेंसर का अभाव → वाहनों में साइलेंसर नहीं होने के कारण ध्वनि प्रदूषण फैलता है।

14

स्थानीय व्यापार	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
(i) दो या अधिक कस्बों के मध्य व्यापार होता है।	(i) इसमें दो या अधिक देश व्यापार करते हैं।
(ii) देशी मुद्रा की प्राप्ति।	(ii) विदेशी मुद्रा की प्राप्ति।
(iii) स्थल परिवहन का प्रयोग।	(iii) स्थल, जल व वायु मार्गों का प्रयोग।
(iv) देशी पर्यटन को बढ़ावा।	(iv) विदेशी पर्यटन को प्रोत्साहन।

16 बाजार में विज्ञापन लोगों को आकर्षित करने के अतिरिक्त भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं →

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i) उपभोक्ताओं को आकर्षित करना ->
विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रसारित विज्ञापन उपभोक्ताओं का उस उत्पाद विशेष को क्रय करने के लिए आकर्षित करते हैं।

(ii) उत्पाद की जानकारी का प्रसारण ->
विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को उत्पाद की गुणवत्ता व विशेषता दर्शायी जाती है; परंतु ये सदैव सत्य नहीं होती।

(iii) पदार्थ के विकल्प में वृद्धि ->
विज्ञापनों के माध्यम से उपभोक्ताओं के समक्ष एक ही वस्तु के अनेक विकल्प प्रस्तुत किए जाते हैं। ये विज्ञापन वस्तुओं की जानकारी घर पर ही उपलब्ध करवा देते हैं।
इस प्रकार बाजार में विज्ञापन अपनी सकारात्मक व नकारात्मक भूमिका अदा करता है।

17 उन्नीसवीं सदी के मध्य बंबई में गाँवों व अन्य शहरों के लोग प्रवास करने लगे जिससे निम्नलिखित आवासीय समस्याओं का सामना हुआ ->

(i) चॉल की व्यवस्था में असंतुलन ->
अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि के कारण लोग चॉल की ओर आकर्षित हुए। इतने अधिक लोगों की संख्या से चॉल में रहने संबंधी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

समस्याएँ उत्पन्न हुई।

(ii) सफाई व्यवस्था का अभाव → एक कमरे में 5-6 लोगों के रहने के कारण रिक्त स्थान का अभाव था। वहाँ साफ - सफाई नियमित रूप से नहीं की जाती थी। जिससे रोग फैले।

(iii) मूलभूत सुविधाओं की कमी → अकस्मात जनसंख्या वृद्धि के कारण वहाँ पर लोगों को जल, भोजन व बिजली जैसी सुविधाओं से भी वंचित रहकर जीवन यापन करना पड़ा।

18 फ्रांसीसी वियतनामियों को शिक्षित करने के लिए स्वच्छता, फ्रेंच व विज्ञान विषयों का अध्ययन कराते थे; परंतु वे अपने अध्ययन में वियतनामियों को कमतर बताते थे। जिसका काफी विरोध हुआ।

(i) अध्यापकों द्वारा विरोध → वियतनामी अध्यापक पुस्तकों में प्रकाशित तथ्यों को परिवर्तित कर छात्रों को बताते थे। इस प्रकार अध्यापकों ने अप्रत्यक्ष रूप से औपनिवेशिक शिक्षा का विरोध किया।

(ii) विद्यार्थियों द्वारा विरोध → औपनिवेशिक शिक्षा का विरोध विद्यार्थियों ने "अन्नानीज स्टूडेंट" पार्टी बनाकर किया। उन्होंने

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

थंग अन्नान के नाम से पत्रिका भी प्रकाशित की।

(iii) अभिभावक व कुलीन वर्ग का विरोध → शिक्षा ने बच्चों को छोटे बाल रखने के लिए प्रेरित किया जो कि वियतनामी संस्कृति का खंडन था। विद्यार्थियों को फेल करने का विरोध कुलीन वर्ग द्वारा किया गया।

इस प्रकार औपनिवेशिक शिक्षा का विरोध वियतनाम में प्रत्येक स्थान पर हुआ।

19 लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था एक उत्तरदायी, जिम्मेदार व वैध शासन है। इसके पक्ष में अनेक तर्क प्रस्तुत किए जा सकते हैं जो नीचे वर्णित हैं →

(i) जनता द्वारा चुनाव → इस शासन प्रणाली के तहत सभी प्रतिनिधियों का चुनाव जनता द्वारा किया जाता है। इसलिए सभी पदाधिकारी जनता के प्रति "उत्तरदायी" होते हैं।

(ii) लोगों के प्रति जबावदेही → लोकतंत्र में सरकार द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम की जानकारी सरकार को लोगों को देनी होती है। ये सरकार जनता के प्रति 'जबावदेह' व "जिम्मेदार" होती है।

(iii) निष्पक्ष चुनाव → लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी प्रकार की तानाशाही नहीं होती।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मतदाता स्वेच्छा से प्रतिनिधि का चुनाव करते हैं। अतः यह एक 'वैध शासन व्यवस्था' है।

अतः लोकतांत्रिक सरकारें जनता के प्रति उत्तरदायी होती है तथा एक जिम्मेदार व वैध शासन व्यवस्था है।

20 भारतीय लोकतंत्र में प्रगति के पश्चात भी कुछ अवांछनीय दोष उपस्थित हैं जिन्हें समाप्त करना अत्यंत आवश्यक है।

(i) दल - बदल पर रोक -> नेता चुनाव के पश्चात पैसों के लालच में नतीजे के पश्चात दल परिवर्तित कर लेते हैं, जिससे शासन व्यवस्था में अस्थिरता उत्पन्न होती है। अतः दल - बदल पर रोक लगाई जानी चाहिए।

(ii) शपथ पत्र का प्रावधान -> चुनाव में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों से उनकी निजी जानकारियाँ प्रविष्ट करवानी चाहिए। साथ ही 'आयकर रिटर्न' भी भरवाना चाहिए।

(iii) दलों में आंतरिक लोकतंत्र की स्थापना ->
दलों में वंशागत प्रवृत्ति को रोककर आंतरिक लोकतंत्र स्थापित किया जाना चाहिए तथा उनसे संबंधित सभी जानकारियों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

21 सार्वजनिक सुविधाएँ -> वे सुविधाएँ जो सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई जाती है। ये सुविधाएँ व्यक्ति विशेष को लाभ देने के स्थान पर एक बड़े समाज समूह को लाभांवित करती है। सार्वजनिक सुविधाओं में प्रमुख छः सुविधाएँ निम्नलिखित हैं ->

(i) सभी नागरिकों को शिक्षित करने के लिए सरकारी विद्यालय।

(ii) जनता को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ पहुँचाने के लिए सरकारी अस्पताल।

(iii) सभी उपभोक्ताओं को मिलावट व दोष से मुक्त खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध करवाना।

(iv) लोगों को उचित मूल्य पर खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के लिए राशन की दुकान।

(v) संचार सेवा के लिए रेडियो, एस॰ टी॰ डी॰, दूरभाष का प्रसार।

(vi) परिवहन के लिए रेलवे लाइन, वायुयान, जलयान आदि की व्यवस्था।

P. T. O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

22

औपचारिक क्षेत्रक ऋण	अनौपचारिक क्षेत्रक ऋण
(i) इस क्षेत्रक से प्राप्त ऋण पर ब्याज दर अनौपचारिक की अपेक्षा कम होती है तथा भुगतान के लिए अधिक समय-अवधि दी जाती है।	(i) अनौपचारिक क्षेत्रक से प्राप्त ऋण पर ब्याज दर काफी अधिक होती है, तथा भुगतान के लिए कम समय ही मिल पाता है।
(ii) औपचारिक क्षेत्रक से ऋण प्राप्त करने के लिए समर्थक ऋणाधार तथा अन्य कागजात की आवश्यकता होती है। इसमें ऋण प्राप्त करना जटिल प्रक्रिया है।	(ii) अनौपचारिक क्षेत्रक से ऋण प्राप्त करना आसान होता है। इसमें समर्थक ऋणाधार व अन्य कागजात सदैव आवश्यक नहीं होते। परिचय के आधार पर ही ऋण दे दिया जाता है।

23 बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ → ये कंपनियाँ एक से अधिक देशों में व्यापार पर नियंत्रण रखती है। बहुत से देशों में ये कंपनियाँ स्थानीय कंपनियों को खरीद लेती है तथा कुछ में समझौता करके सह-उत्पादन को प्रोत्साहित करती है।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों से होने वाले दो प्रमुख लाभ नीचे उल्लेखित हैं →

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i) वैश्वीकरण में सहायक → बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ दो या अधिक देशों के मध्य तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया को प्रेरित करती है। इससे अब देशों के मध्य दूरी में कमी आई है।

(ii) उत्पादों का परिवहन → ये कंपनियाँ एक देश के उत्पाद को दूसरे देश में विक्रय करती है। जिससे उपभोक्ताओं के समक्ष अधिक विकल्प व गुणवत्ता में सुधार वाले उत्पाद उपस्थित होते हैं। उदा० → टाटा मोटर्स।

इस प्रकार ये कंपनियाँ लाभ अर्जित करने के अतिरिक्त भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

24 भारत में उपभोक्ताओं को 'प्रतिनिधित्व के अधिकार' के तहत विवादों के निपटारे के लिए न्यायिक तंत्र की स्थापना की गई है।

(i) जिला स्तरीय उपभोक्ता न्यायालय → 20 लाख से कम के मूल्य से संबंधित विवाद की स्थिति में उपभोक्ता जिला न्यायालय में मुकदमा दायर कर सकता है।

(ii) राज्य स्तरीय उपभोक्ता अदालत → 20 लाख से अधिक; परंतु 1 करोड़ से कम के मूल्य से संबंधित विवाद होने पर उपभोक्ता राज्य स्तरीय उपभोक्ता न्यायालय के द्वार

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पर आता है।

(iii) राष्ट्रीय स्तरीय उपभोक्ता न्यायालय → 1 करोड़ से अधिक के मूल्य से संबंधित विवाद राष्ट्रीय उपभोक्ता न्यायालय में दायर किए जाते हैं।

जिला उपभोक्ता न्यायालय में खारिज होने के पश्चात् भी मुकदमा राज्य उपभोक्ता न्यायालय में तथा इसके बाद राष्ट्रीय उपभोक्ता न्यायालय में दायर किया जा सकता है।

25 मुद्रण क्रांति → छपाई की मशीनों के अविष्कार के पश्चात वृहत मात्रा में किताबों व अन्य पत्रिकाओं का प्रकाशन हुआ। इसे मुद्रण क्रांति का नाम दिया गया।

लोग अब विभिन्न विचारकों द्वारा लिखित पुस्तकों का अध्ययन करने लग गए थे। मुद्रण क्रांति के प्रमुख धार्मिक प्रभाव निम्नलिखित थे →

(i) लोगों द्वारा धर्म का विरोध → लोगों ने अपने विचारों का प्रकाशन भी प्रारंभ कर दिया। कुछ लोगों ने प्रोटेस्टेंट सुधारकों की भूमिका निभाकर कैथोलिक चर्च के दोषों का प्रकाशन किया तथा चर्च के बाहर उसे लिखित रूप में चिपका भी दिया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) भिन्न - भिन्न धार्मिक विचारों में टकराव → जब सभी लोगों ने धर्म के अलग - अलग अर्थ निकालने शुरू कर दिए तो लोग उन्हें सुनने लगे। जिससे अशिक्षित लोगों ने ईसाई धर्म का अलग अर्थ निकाल लिया।

(iii) चर्च द्वारा सजा का प्रावधान → जब किसान मेनोकियो ने लोगों को कैथोलिक धर्म के विरुद्ध ज्ञान दिया। तो कैथोलिक चर्च ने स्व अस्तित्व की रक्षार्थ सजा का प्रावधान शुरू कर दिया तथा उसे फाँसी दे दी गई।

(iv) किताबों पर प्रतिबंध → अब चर्च ने प्रतिबंधित किताबों की सूची रखना प्रारंभ कर दिया। तथा धर्म विरोधी विचारों का प्रकाशन भी प्रतिबंधित कर दिया। अब चर्च ने संपूर्ण प्रकाशन को अपने अधीन करने का अथक प्रयास किया।

इस प्रकार मुद्रण क्रांति ने लोगों को विभिन्न धर्मों के बारे में ज्ञान उपलब्ध करवाया; परंतु साथ ही अनावश्यक प्रकाशन को भी प्रतिबंधित करने का कार्य किया।

26 संसाधन → प्रकृति में उपलब्ध वे पदार्थ जो हमारी अर्थात मानव आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रयुक्त किए जा सकते हैं। जिनको बनाने

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

के लिए प्रोद्योगिकी उपलब्ध है। जो सांस्कृतिक रूप से मान्य व आर्थिक रूप से संभाव्य हैं, संसाधन कहलाते हैं।

जैव संसाधन → वे संसाधन जो जीवमंडल से प्राप्त होते हैं तथा सजीव होते हैं। अर्थात् उनमें प्राण उपस्थित होते हैं, जैव संसाधनों की श्रेणी में आते हैं।
उदा० → मत्स्यपालन, मुर्गीपालन, पशु, मनुष्य आदि।

अजैव संसाधन → वे संसाधन जो निर्जीव वस्तुओं से प्राप्त होते हैं। इनमें प्राण उपस्थित नहीं होते। ऐसे संसाधन अजैव संसाधनों की श्रेणी में आते हैं।
उदा० → चट्टान, धातु आदि।

27 साम्प्रदायिकता → जब कोई समूह अपने को विशिष्ट समझने लगता है तथा अन्य समूहों को निम्न समझता है, तो इसे ही साम्प्रदायिकता कहते हैं।

साम्प्रदायिकता राजनीति में अनेक रूप धारण करती है →

(i) पृथक् राजनीतिक दल का निर्माण → लोग अपनी धार्मिक पहचान के आधार पर अलग दल का निर्माण कर चुनाव में भाग लेते हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) बहुसंख्यकवाद → उन लोगों में बहुसंख्यकवाद की भावना पनपने लगती है तथा वे अलग राष्ट्र के निर्माण की माँग करते हैं उनके अनुसार अल्पमत वाले लोग उनके नियंत्रण में रहने चाहिए।

(iii) धार्मिक चिह्नों का प्रयोग → लोग धर्म गुरुओं, पवित्र प्रतीकों, धर्म चिह्नों के माध्यम से जातिगत भावना को उकसाते हैं।

(iv) नरसंहार का रूप → कभी-कभी साम्प्रदायिकता अत्यंत भयानक रूप ग्रहण कर लेती है। उदा० → भारतविभाजन के समय अनेक लोग मारे गए।

अतः साम्प्रदायिकता व राजनीति के मेल को रोका जाना चाहिए।

28 नेपाल में 'लोकतंत्र के लिए दूसरा आंदोलन' 2006 में हुआ।

(i) लोकतंत्र की स्थापना → सर्वप्रथम 1990 के दशक में लोकतंत्र की तीसरी लहर के तहत नेपाल में लोकतंत्र स्थापित हुआ।

(ii) ज्ञानेंद्र द्वारा राजतंत्र की स्थापना → ज्ञानेंद्र ने

BSER-162/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

लोकतांत्रिक व्यवस्था का सम्मान किया; परंतु उसकी मृत्यु के पश्चात् ज्ञानेंद्र ने फरवरी 2005 में वर्तमान प्रधानमंत्री को अपदस्थ कर दिया।

(iii) जनता द्वारा लामबंदी व विरोध → इसके विरोध में लोग लामबंद हुए। उन्होंने कानूनों का उल्लंघन किया। 21 अप्रैल 2006 को ज्ञानेंद्र को अल्टीमेटम सौंप दिया गया।

(iv) जनता की विजय → 24 अप्रैल 2006 को ज्ञानेंद्र को अल्टीमेटम स्वीकार करना पड़ा। सर्वसम्मति से सरकार बनी, संविधान लागू किया गया, संसद को बहाल किया। इस प्रकार अंततः एस. पी. ए. ने गिरिजाप्रसाद कोईराला को प्रधानमंत्री निर्वाचित किया व लोकतंत्र की विजय हुई।

29 प्राथमिक क्षेत्रक → इस क्षेत्रक में वे क्रियाएँ सम्मिलित हैं जो प्राथमिक व प्राकृतिक क्रियाएँ होती है अथवा उनसे उत्पन्न होती है। इसे 'कृषि एवं सहायक क्षेत्रक' कहते हैं। जैसे → कपास की खेती अधिकांशतः जलवायु व मानसून पर निर्भर करती है। कृषि, डेयरी, मत्स्यपालन आदि।

द्वितीयक क्षेत्रक → वे वस्तुएँ जो प्राकृतिक उत्पादों

नामांक Roll No.

2	0	5	3	3	4	1

S-08-सामाजिक विज्ञान

माध्यमिक परीक्षा, 2017
SECONDARY EXAMINATION, 2017
सामाजिक विज्ञान
SOCIAL SCIENCE

Ans. 30 →

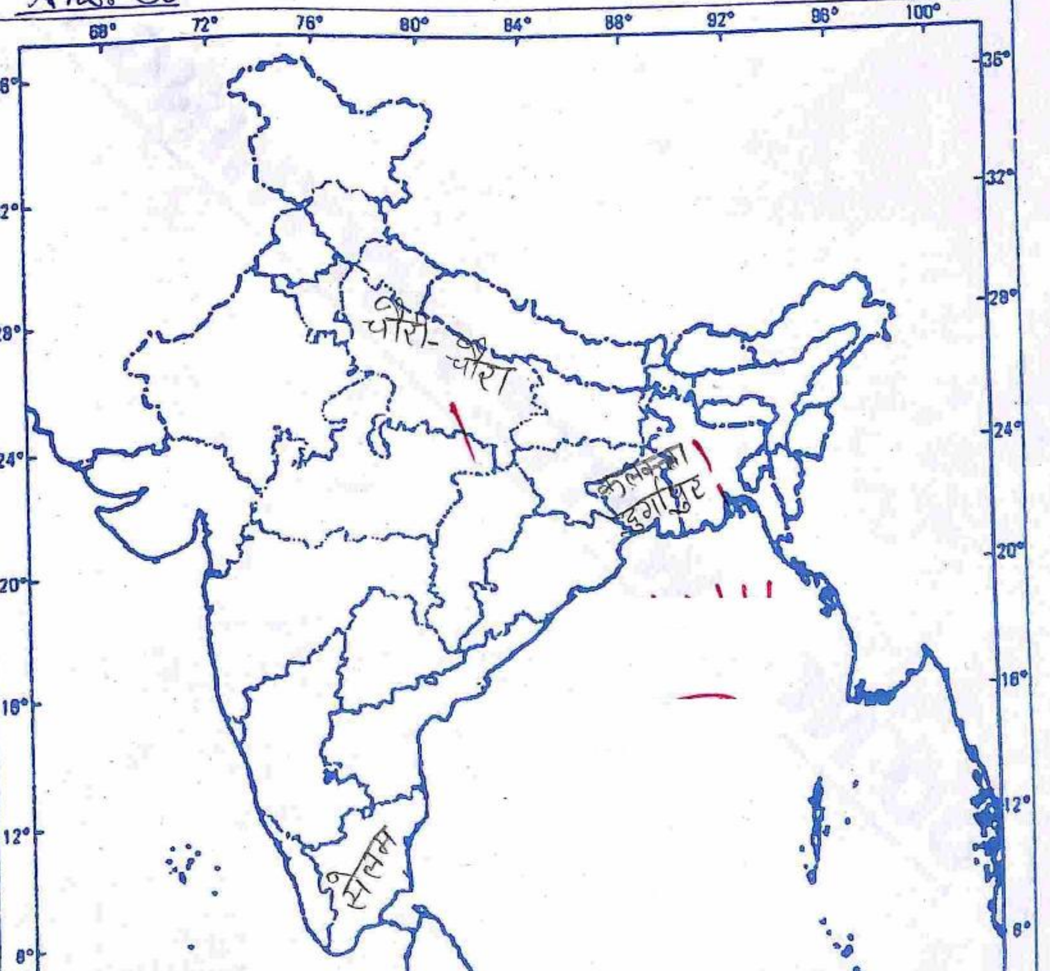

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

से निर्मित होती है, द्वितीयक क्षेत्रक में सम्मिलित है। जैसे → टोकरी बुनना। प्रकृति से प्राप्त बाँस का प्रयोग करके टोकरी बुनी जाती है।
लिफाफों का निर्माण, मिट्टी के बर्तन बनाना आदि।

तृतीयक क्षेत्रक → यह क्षेत्रक स्वयं किसी सेवा का सृजन नहीं करता। ; परंतु अन्य उद्योगों के उत्पादन में सहायक होता है। इसे 'सेवा क्षेत्रक' भी कहते हैं।
उदा० → परिवहन, चिकित्सालय, डाक, संचार, विद्यालय, आदि।

31 (अ) भारतीय संविधान में केंद्र व राज्यों के मध्य विधायी अधिकारों को तीन सूचियों में विभाजित किया गया है →

(i) संघ सूची → इसमें वर्णित विषयों पर कानून बनाने का अधिकार केंद्र को होता है। इसमें प्रतिरक्षा, विदेशी मामले, संचार, मुद्रा आदि सम्मिलित हैं।

(ii) राज्य सूची → इन पर राज्य सरकार द्वारा अधिकार बनाए जाते हैं। इसमें कृषि, व्यापार, वाणिज्य, सिंचाई आदि विषय सम्मिलित हैं।

(iii) समवर्ती सूची → इन विषयों पर केंद्र व राज्य

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

दोनों कानून बना सकते हैं। परंतु विवाद की स्थिति में केंद्र द्वारा बनाया गया कानून मान्य होता है। इसमें शिक्षा, वन, गोद, उत्तराधिकार विवाह आदि वर्णित है।

(ब) (i) सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं के अधिकाधिक उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए दूरदर्शन, रेडियो आदि पर विज्ञापन दिया जा सकता है।

(ii) सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण चालक द्वारा शराब पीकर वाहन चलाना होता है।

(iii) नागरिकों को यातायात के नियमों एवं सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी देकर उनके "सुरक्षा के अधिकार" की रक्षा की जा सकती है।

"समाप्त"